TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4365**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥८०॥ सकल जन ने सरस महा सती जी वांदिजै ॥ गुण धर लाभ उपाय ॥ आरज्यां जी जीउ जी ॥ जीउजी महास
ती जी री तप स्यारा गुण घणा ॥१॥ सती मोवतेक ध्यान जी स ॥ आरज्यां ॥ धन थारी माता जी महासा
ती जी नै इजन मिल्या ॥ थानै जन म्यारी परमाण ॥ आर० ॥२॥ धन थारी गुरणी जी दीपा जी मोटा स
ती ॥ थानै दिष्या जी दिक्षा मन रंग ॥ आरज्यां ॥३॥ धन पुजरा माजी जी मन जाजोदी न्हा थानै आगन्या
वारी आगन्यां दीन्ही परमाण ॥ आ ॥४॥ धन थारी गुरुबहण जी डुरगां जी मोटी सती ॥ थानै बड़ां लां
दीधा सती साज ॥ आरज्यां ॥५॥ पाच माहा व्रत माहा सत्यां जी आं आदर्या ॥ सती पाले पाले पच
आचार ॥ आ० ॥६॥ चमार कस्वाध महा सती जी पाडी पातली ॥ सती धुमा जी र्क री अरपुर आरजा
॥७॥ दोष बायालिस माहा सती जी टाटा लीया ॥ सती लन्ही आसिर दोष ए आहार ॥ आरजा ॥८॥ देसो
पुदेशा जी महा सती जी जावे बिचरता ॥ सती को योग धर्म रो उद्योत ॥ आरजा० ॥९॥ अघ अगुणा मे
सती जी दीपजाजो इ थ्या ॥ सतीजी नेरी को योग उपगार ॥ आरजा ॥१०॥ अप्रतिबंध नगर महा सतीजी प
धारिया ॥ सब न्याया रो क्षबो ठेउगार ॥ आरजा ॥११॥ बासवास सबै लेजी मोहा सती जी मासखमण पारण
कारे वरस दिव सपरमाण आर ॥१२॥ अष्ठ कर्म दह मन महा सती जी थां चूरिया ॥ पांच इन्द्री सुं मांमो
कु ज्ञ ॥ आर ॥१३॥ ऐसे सरदे म्यां जी महा सती छा आपणा ॥ सलेषणं रा मीटा ज्ञान ॥ आ० ॥१४॥ आ
सोठ मास जी मादा सती जी पारण नवकीया ॥ सावण मास मकीन्हा ठे आप ॥ आर ॥१५॥ भादवे अ
सोज जी महा सती जी नव नवमी रणे ॥ कातग मास मकी यो ठे अहार ॥ आ ॥१६॥ ना या ता बा या जी
वउथा बतन धनाधा आगणा जी ॥ वोनै को धोठे सुध परणाम ॥ आर ॥१७॥ पासबदि एक जी माहा स

आनुजीम

ताजीपृ जय धारिया । घा मैं तपस्यारो दीधो छे सा ल आ० ॥१८॥ पाच पाच वासां जी महासतीजी कीधे
पारणो ॥ सती पचा लाकी आउ गणे स । आ ॥१९॥ छ छे उपवास जी महासतीजी दोय बार कीया । स
ती सात कीया एक बार । आर ॥२०॥ आ छमव वासां जी माहा सतीजी कीधे पारणो ॥ बारा तपस्यारा चउ
ता पूणाम । आर ॥२१॥ पारणा पारणे जी महासतीजी की नौ पोरस्या जी ॥ बारे धारे ज आधिक आपार आ
॥२२॥ दोय से सात दिन जी महासतीजी तपस्या करी जी ॥ मे पारणा कीया जी तीस ॥ आ ॥२३॥ दोय सत
सत जी महासतीजी छे बे धार छी ॥ सतीरा तप कर पूमाण ॥ आ ॥२४॥ सतरसिंधी तसु जी महासती
जोरंगलोगाइयो ॥ सिजा यछपान मे सूर स्मात लालीन । आ ॥२५॥ धनधारा सिषणी जी गंगाजी मोटा सता
धारो वि नो का मानेर पूर । आरजी ॥२६॥ धमधारा सिषणी जी माऊजी मीरा सती । धारा बेया मचक राज्यरपु
र आरजा ॥२७॥ नो या नो बे छ जी महासतीजी स घारो कीयो ॥ सती पूबे दिस बे छाबे श्राप । आर ॥२८॥ ध
न धारा सिषणी जी । गंगा जी मोटी सती । धाने स घारो के राख्या सती आप । आर ॥२९॥ दिन छ सरो जी
महासतीजी संथारो आयो ॥ जीमे पाच पहोर चौ बीहार । आर ॥३०॥ बेसाष सुदि पूनम जीम
हा सतीजी देवलोक हुवा । सती दिवस पहोर पूमाण । आ ॥३१॥ सती सबर सम महासतीजी का
रत पाजायो ॥ बारा सिषणी राके रापूतिपाल आर ॥३२॥ ब्रह्म उनमान महासतीजी सतरबर
सका । सतीपहोता छे अमर बिमाण । आरजी ॥३३॥ सम त आ ठारे जी महासतीजी सतरबरस ए
सीक वारा सोना बाइ कीधी छे जोड । आरजी ॥३४॥ जयपुर नगर माहा सतीजी वषाण आजो
चा तनी बृध सारु कीधो छे सतीर । आरजी ॥३५॥ इसी ढाल सपूरण श्री तप तु ष्प्रार उषा बंगा जपुर